संपादकीय

सौगातें बेशुमार

जैसे कि कयास लगाये जा रहे थे कि अंतरिम बजट में तमाम लोकलुभावनी घोषणाएं होंगी, बजट का पिटारा खुला तो लगभग वैसा ही निकला। संवैधानिक रूप से अंतरिम बजट के नियमन पर बंदिशें न होने पर सत्तारूढ़ दल की कोशिश होती है कि जनादेश लेने के लिये मौके का चौका लगाया जाये। इस मौके का मोदी सरकार ने भरपूर फायदा उठाया। अब तक के सभी आम बजटों में वित्तमंत्री अरुण जेटली जहां सख्त फैसले लेते और किफायती अर्थव्यवस्था चलाने की कवायद करते नजर आते, वहीं उनकी अनुपस्थिति में कार्यभार देख रहे पीयूष गोयल ने दोनों हाथों से सौगातें बांटी। विपक्ष द्वारा सवाल उठाये जा रहे हैं कि चंद महीनों के बजट को पेश करने के अधिकार की सीमाओं का अति मण करते हुए सरकार ने अपने कार्यकाल का छटा बजट पेशकर दिया। सवाल नैतिकता का भी उठाया जा रहा है कि जब चुनाव निकट हों तो सरकार को वोटरों को लक्षित करके सौगातों का पिटारा खोलने का अधिकार है? क्या सरकार इन योजनाओं के क्रियान्वयन में वित्तीय अनुशासन का पालन कर पायेगी? क्या इससे राजकोषीय घाटे का संयमन संभव है? क्या यह प्रगतिशील अर्थव्यवस्था को गति देने का वाहक बन पायेगा? ऐसे तमाम यक्ष प्रश्न मुंहबाय खड़े हैं।

नि:संदेह सरकार विशुद्ध विकासवादी नजरिये से हटकर लोककल्याणी सोच की तरफ उन्मुख हुई है। दो हेक्टेयर से कम जमीन वाले किसान को हर साल छह हजार रुपये देने का कदम मानवीय दृष्टिकोण से अन्नदाता को संबल देने वाला है। हालांकि, विपक्ष द्वारा कहा जा रहा है कि पांच सौ रुपये महीने में किसान का कितना भला होगा। नि:संदेह यह कदम फौरी तौर पर उन किसानों के लिये जरूर लाभकारी है, जो गरीबी की दलदल में फंसकर आत्महत्या करने को मजबूर हैं। वैसे भी कई राज्यों में किसानों की सालाना आय बेहद कम है। आयकरदाता कर्मचारी वर्ग की ? आयकर में? छूट देने की सनातन मांग को सरकार ने उदारतापूर्वक पूर्ण करने की घोषणा की है, मगर इसका क्रियान्वयन तभी होगा, जब नई सरकार पूर्ण बजट पेश करेगी। कहीं न कहीं मोदी सरकार ने तीन राज्यों के चुनाव में लोकलुभावनी घोषणा के असर को महसूस करके तथा कांग्रेस द्वारा आये दिन की जाने वाली लोकलुभावनी घोषणाओं की काट में अंतरिम बजट का सहारा लिया है। बेहतर होता कि सरकार अपने पिछले बजटों में ऐसी नीतियों का क्रियान्वयन करती। कहीं न कहीं नोटबंदी और जीएसटी से लगे जख्मों पर मोदी सरकार ने इस लोकलुभावने बजट के जरिये मरहम लगाने की कोशिश की है। ये आने वाला वक्त बताएगा कि ये घोषणाएं वोटों में किस हद तक तब्दील होती हैं।

उपभोक्ता के खाते से बिना मंजूरी पैसा निकले तो बैंक जिम्मेदार होंगे: हाईकोर्ट

कोच्चि (आरएनएस)। केरल हाई कोर्ट ने कहा है कि बैंक अपने कस्टमर्स के अकाउंट्स से बिना उनकी अनुमति के रकम निकलने पर जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। जस्टिस पी बी सुरेश कुमार ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि अगर कस्टमर एसएमएस अलर्ट का जवाब नहीं देते तो भी बैंक अनधिकृत तौर पर रकम निकलने के लिए जिम्मेदार हैं। उनका कहना था कि किसी कस्टमर की जिम्मेदारी तय करने के लिए एसएमएस अलर्ट आधार नहीं हो सकता। ऐसे अकाउंट होल्डर्स भी हो

सकते हैं, जिन्हें नियमित तौर पर एसएमएस अलर्ट देखने की आदत नहीं होती।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने केरल हाई कोर्ट में एक निचली अदालत के आदेश के खिलाफ अपील की थी। इस आदेश में अनधिकृत तौर पर रकम निकाले जाने के कारण एक कस्टमर को हुए 2.4 लाख रुपये के नुकसान की भरपाई करने के लिए कहा गया था। कस्टमर ने इस रकम को ब्याज के साथ लौटाने की मांग की थी।

बैंक का कहना था कि कस्टमर को विवादित विदड्रॉल से जुड़े एसएमएस अलर्ट भेजे गए थे और उन्हें अपना अकाउंट तुरंत ब्लॉक करने के लिए निवेदन देना चाहिए था। बैंक की दलील थी कि कस्टमर ने एसएमएस अलर्ट का जवाब नहीं दिया था और इस वजह से बैंक उन्हें हुए नुकसान के लिए जिम्मेदार नहीं है।

लेकिन कोर्ट ने कहा, कस्टमर के हितों की रक्षा के लिए सावधानी बरतना बैंक का फर्ज है। कस्टमर्स के अकाउंट्स से बिना अनुमति के रकम निकालने को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने की जिम्मेदारी बैंक की है। कोर्ट का यह भी कहना था कि कस्टमर्स को नुकसान पहुंचाने वाली सभी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए सिस्टम को सुरक्षित बनाना बैंक का दायित्व है।

अनऑथराइज्ड ट्रांजैक्शंस की जानकारी बैंक को देने और अकाउंट ब्लॉक करने से जुड़े रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के एक सर्कुलर का जिक्र करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह केवल बैंकों को उनकी जवाबदेही और जिम्मेदारी की याद कराता है और इससे कोई नए अधिकार या दायित्व नहीं बनते। कोर्ट ने कहा कि अगर कस्टमर को धोखेबाजों की ओर से की गई ट्रांजैक्शंस से नुकसान होता है तो इसके लिए बैंक जिम्मेदार है क्योंकि उसने इसे रोकने का सिस्टम नहीं बनाया है।

तिमाही रोजगार सर्वेक्षण का तरीका बदल सकती है सरकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। नैशनल सैंपल सर्वे ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट लीक होने से रोजगार के आंकड़ों पर हाल में उठे विवाद के बाद सरकार ने तय किया है कि वह तिमाही रोजगार सर्वेक्षण की समीक्षा करेगी। इस सर्वेक्षण के तरीके में अभी तीन साल पहले ही बदलाव किया गया था। दरअसल यह बहस चलती रहती है कि ईपीएफओ के पेरोल डेटा में नई जॉब्स का आंकड़ा आ पाता है या नहीं।

इसे देखते हुए ही सरकार ने चॉर्टर्ली एंप्लॉयमेंट सर्वे की समीक्षा करने का निर्णय किया है। इसे अब इंडेक्स आधारित बनाने पर विचार किया जा रहा है ताकि हर तिमाही में बने रोजगार के अवसरों को शामिल किया जा सके और इसके दायरे में सभी संगठनों को लाया जा सके।

एक सीनियर सरकारी अधिकारी ने बताया कि लेबर मिनिस्टर ने अपने टॉप अफसरों को यह आकलन करने का निर्देश दिया है कि सर्वेक्षण में किस तरह के बदलाव किए जा सकते हैं ताकि इस सर्वे से हासिल आंकड़े देश में बने रोजगार के अवसरों की असल पिक्चर दिखाएं।

एप्पल ने आईफोन की बिक्री बढ़ाने के लिए नया रिटेल प्रमुख नियुक्त किया

सैन फ्रांसिस्को (आरएनएस)। सुस्त स्मार्टफोन बाजार में आईफोन की बिक्री में तेजी लाने के लिए एप्पल ने बुधवार को वैश्विक रिटेल और ऑनलाइन स्टोर्स के लिए नए प्रमुख की नियुक्ति की है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि डीयरड्रे ओब्रायन रिटेल और पीपुल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष होंगी, जो मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम कुक को रिपोर्ट करेंगी। कुक ने कहा, तीन दशक से ज्यादा समय से उन्होंने एप्पल को ग्राहकों की सेवा करने और उनके जीवन को समृद्ध बनाने पर ध्यान केंद्रित करने में मदद की है। उन्होंने कहा, मैं डीयरड्रे के साथ उनकी नई भूमिका में काम करने को लेकर उत्साहित हूं और मैं जानता हूं कि हमारे 70,000 रिटेल कर्मचारी भी उत्साहित होंगे।

अंतरिम बजट के बाद आरबीआई ने घटाई ब्याज दरें, लोन लेना हुआ सस्ता

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने रीपो रेट में 0.25 प्रतिशत कटौती का फैसला किया। इसके साथ ही, अब रीपो रेट 6.50 प्रतिशत से घटकर 6.25 प्रतिशत हो गया। इससे आपकी होम लोन, ऑटो लोन और दूसरे सभी तरह के लोन की ईएमआई घटने के आसार है। रिजर्व बैंक ने पिछली 3 पॉलिसी में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया था। अब रेपो रेट 6.25 फीसदी और रिवर्स रेपो रेट 6 फीसदी हो

गया है।

रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2020 के लिए जीडीपी का लक्ष्य 7.4 फीसदी दिया है। अप्रैल से सितंबर के लिए ग्रोथ का अनुमान 7.2-7.4 फीसदी के बीच रखा गया है। रिजर्व बैंक के दरें घटाने के बाद रिवर्स रेपो रेट 6 फीसदी हो जाएगी। रिजर्व बैंक ने अपना मत न्यूट्रल कर लिया है। मॉनटरी पॉलिसी कमेटी के 6 सदस्यों में से 4 ने दरों को घटाने के पक्ष में वोट दिया। एमपीसी के छह में से चार सदस्यों ने रीपो रेट में कटौती का समर्थन किया जबकि दो अन्य सदस्यों, विरल आचार्य और चेतन घाटे रेट कट के पक्ष में नहीं थे।

रिजर्व बैंक ने जनवरी से मार्च रिटेल महंगाई 2.8 फीसदी और अप्रैल से सितंबर के दौरान रिटेल महंगाई 3.2 से 3.4 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।

वेलिंग्टन टी20 में धोनी के नाम दर्ज हुआ खराब रेकॉर्ड

नई दिल्ली (आरएनएस)। न्यू जीलैंड के खिलाफ वेलिंग्टन में खेले गए सीरीज पहले टी20 में भारत को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। मेजबान टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 219 रनों का बड़ा स्कोर बनाया लेकिन भारतीय टीम 19.2 ओवरों में 139 रनों पर ढेर हो गई और उसे 80 रन से हार झेलनी पड़ी। इसके साथ ही पूर्व कप्तान महेंद्र

टॉप स्कोरर रहते भारत को मिली पांचवीं हार

सिंह धोनी के नाम भी एक खराब रेकॉर्ड दर्ज हुआ।

विकेटकीपर बल्लेबाज धोनी ने 31 गेंदों की अपनी पारी में 39 रन बनाए।

वेलिंग्टन में हार के साथ ही भारत उन सभी मैचों को हार गया जिसमें धोनी अपनी टीम के लिए टॉप स्कोरर रहे। ऐसा पांचवीं बार हुआ कि वह किसी टी20 इंटरनैशनल मैच में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने और टीम को हार मिली।

उमा देवी ने 54 साल की उम्र में सातवीं बार नैशनल चैंपियनशिप जीती

मुंबई (आरएनएस)। अगर कोई खिलाड़ी 54 की उम्र में भी खेल से जुड़ा रहता है और उस खेल का नैशनल चैंपियन बन जाता है तो किसी का भी चौंकना स्वाभाविक है। यह चमत्कारिक उपलब्धि हासिल कर दिखाई है कर्नाटक की आर उमा देवी ने। उमा ने इंदौर में चल रही 86वें नैशनल बिलियर्ड्स ऐंड स्नूकर टूर्नामेंट में सीनियर महिला बिलियर्ड्स कैटिगरी का खिताब जीता।

उमा देवी ने अपने से 33 बरस छोटी पंजाब की कीरत मंडल को पछाड़कर नैशनल चैंपियनशिप जीती। कर्नाटक की उमा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी बार इस खिताब को जीतने का गौरव हासिल किया।

कैरोलिना मारिन के बिना भी ऑल इंग्लैंड में आसान नहीं होगी राह: सिंधु

चेन्नई (आरएनएस)। ओलिंपिक सिल्वर मेडलिस्ट भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने कहा है कि ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में उनके लिए चुनौती आसान नहीं होगी। वर्ल्ड चैंपियन स्पेन की कैरोलिना मारिन चोटिल हैं और माना जा रहा है कि वह ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में खेलने नहीं उतरेंगी। यह चैंपियनशिप अगले महीने 6 मार्च से शुरू होगी।

लॉन्च कॉर्यक्रम में कहा, यह कहा जा रहा है कि कैरोलिना मारिन चोट के कारण ऑल इंग्लैंड से बाहर हो सकती है लेकिन उनके अलावा भी कई ऐसी प्लेयर्स हैं जो अपना दिन होने पर किसी को हराने का दम रखती हैं। दुनिया के टॉप-10 खिलाड़ियों में सभी आते हैं। सबसे जरूरी अपने विपक्षी प्लेयर को परखना होता है और किसी को हल्के में नहीं लेना होता है।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत दौरे के लिए टीम का ऐलान किया, फिंच ही टीम की करेंगे कप्तानी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को चोट के कारण 24 फरवरी से शुरू हो रहे भारत दौरे के लिए टीम में नहीं चुना गया है. इस दौरे पर ऑस्ट्रेलियाई टीम पांच वनडे और दो टी-20 मैच खेलेगी. इस महत्वपूर्ण सीरीज में एरॉन फिंच ही टीम की कप्तानी करेंगे.

चोट की वजह से 29 वर्षीय स्टार्क दौरे के लिए उपलब्ध नहीं हैं, जबकि हरफनमौला खिलाड़ी मिशेल मार्श को ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह नहीं मिली है. स्टार्क को श्रीलंका के खिलाफ कैनबरा में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच के अंतिम दिन

गेंदबाजी करते हुए चोट लगी थी.ऑस्ट्रेलिया के 27 साल के तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन की जून 2018 के बाद टीम में वापसी हो रही है. उन्होंने 2018-19 बिग बैश लीग में अब तक सर्वाधिक 22 विकेट लिए जिसके कारण उन्हें टीम में जगह मिली है.मार्श के अलावा पीटर सिडल और बिली स्टैनलेक को भी बाहर किया गया है. दोनों खिलाड़ी पिछले महीने अपने घर में भारत के खिलाफ टीम में शामिल थे.

राष्ट्रीय चयनकर्ता ट्रेवर होन्स ने कहा, दुर्भाग्यवश स्टार्क को कैनबरा टेस्ट मैच के आखिरी दिन गेंदबाजी करते हुए चोट लग गई जिसकी वजह से वह भारत दौरे के लिए फिट नहीं हैं, लेकिन मार्च में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज तक वह वापसी कर लेंगे.÷पीठ के निचले हिस्से में फ्रैक्च र से उबर रहे तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की गैर मौजूदगी में संयुक्त रूप से पैट कमिंस और एलेक्स कैरी उपकप्तान बनाए गए हैं. श्रीलंका के विरुद्ध भी ये दोनों इसी भूमिका में थे.

टीम- एरॉन फिंच (कप्तान), पैट कमिंस, एलेक्स कैरी, जेसन बेहरेनडॉर्फ, नाथन कूल्टर नाइल, पीटर हैंड्सकॉम्ब, उस्मान ख्वाजा, नाथन लायन, शॉन मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, झाए रिचर्डसन, केन रिचर्डसन, डार्सी शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एश्टन टर्नर, एडम जैम्पा.

आज का राशिफल

मेष: आज नए साल के पहले दिन बाहर घूमन-फिरने और शानदार भोजन मिलने का योग है। व्यापारियों को लाभ और सफलता मिलेगी। प्रवास, आर्थिक लाभ और वाहन सुख का योग है।

वृषभ: आज का दिन शुभ है। कार्य सफलतापूर्वक पूरे होंगे। आर्थिक लाभ होगा। ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिलेंगे। बीमारी में राहत होगी। नौकरी में लाभ होगा।

मिथुन: आज संतान और जीवनसाथी के स्वास्थ्य के संबंध में चिंता होगी। वाद-विवाद में न पड़ें। आत्म सम्मान को ठेस पहुंच सकती है। पेट संबंधी बीमारियों की आशंका है।

कर्क: शरीर में आलस्य या अस्वस्थता हो सकती है। मनमुटाव और तकरार की आशंका है। सार्वजनिक रूप से मानहानि होने से दु:ख का अनुभव करेंगे। समय से भोजन नहीं मिलेगा।

सिंह: कार्य सफलता और प्रतिस्पर्द्धियों पर विजय मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। भाई- बहनों के साथ कोई आयोजन करेंगे। स्वास्थ्य बना रहेगा। प्रियजनों की मुलाकात से खुशी होगी।

कन्या: परिवार में आज आनंद का वातावरण रहेगा। वाणी की मधुरता और न्यायप्रिय व्यवहार से आप लोकप्रियता प्राप्त करेंगे। आर्थिक लाभ होंगे। विद्यार्थियों के लिए अनुकूल समय है।

तुला: आज आपको कार्यक्षेत्र में सुनहरा अवसर प्राप्त हो सकता है। आपकी रचनात्मक और कलात्मक शक्ति अधिक निखरेगी। आर्थिक लाभ होगा। वाहन सुख की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक: आनंद-प्रमोद, मनोरंजन के पीछे धन व्यय होगा। दुर्घटना से संभलकर रहें। स्वभाव में कुछ उग्रता रहेगी, इसलिए झगड़े से दूर रहें। मानहानि या धनहानि की आशंका है।

धनु: आज का दिन लाभदायी है ऐसा गणेशजी कहते हैं। जीवन का संपूर्ण आनंद आप प्राप्त कर पाएंगे। प्रेम की सुखद अनुभूति होगी। मित्रों के साथ किसी रमणीय स्थल पर घूमने जा सकते हैं।

मकर: व्यापार-धंधे के लिए आज का दिन शुभ है। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी या नौकरी में उच्च पदाधिकारियों द्वारा आपके काम की प्रशंसा होगी। पदोन्नति के योग की संभावना है।

कुंभ: आज आपको बेचैनी, थकान और ऊबन रहेगी। काम करने का उत्साह नहीं रहेगा। ऑफिस और काम-काज की जगह पर बॉस की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। लंबी यात्रा होगी।

मीन: स्वास्थ्य के संबंध में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। बीमारी के पीछे खर्च करना पड़ सकता है। कामकाज में भी कुछ परेशानी हो सकती है। संभलकर बोलें।

चना मसाला बनाने का तरीका जानिए

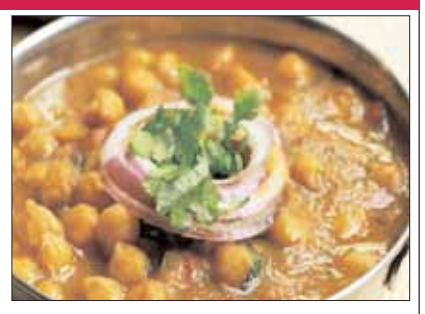

हर दिन एक जैसी सब्जी खाकर मन बोर हो जाता है और फिर कुछ अलग व चटपटा बनाने का मन करता है। अगर आपका मन भी रोज की सब्जी खाकर भर गया है और अब आप कुछ मजेदार खाने के बारे में सोच रहे हैं। तो बाजार जाने की बजाय घर पर ही चना मसाला बनाएं। यकीन मानिए, इसे खाने में बाद आपको काफी अच्छा लगेगा। तो चलिए जानते हैं पंजाबी स्टाइल में चना मसाला बनाने की विधि के बारे में-

पंजाबी छोले मसाला बनाने के लिए सबसे पहले चने में पानी, नमक, बेकिंग सोडा और एक टी बैग डालकर कुकर में उबाल लें। 4-5 सीटी आने के बाद गैस बंद कर दें और चनों को प्रेशर कुकर में ही रहने दें।

पैन में 2 टेबलस्पून घी डालकर गर्म करें और फिर इसमें जीरा डालकर भूने।

इसके बाद इसमें अजवायन, कटी हुई हरी मिर्च और अदरक डालकर हल्का-सा भून लीजिए।

अब इसमें उबले हुए चने, स्वादनुसार नमक, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला पाउडर, अमचूर पाउडर, कटे हुए टमाटर और बारीक कटा हरा धनिया मिक्स करें।

इसके कम से कम 4-5 मिनट तक धीमी आंच पर पकने के लिए छोड़ दें। जब चने पक जाए तो गैस बंद कर दें। आपके पंजाबी चना मसाला बनकर तैयार है।

शब्द सामर्थ्य- 71

बाएं से दाएं
1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे
1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

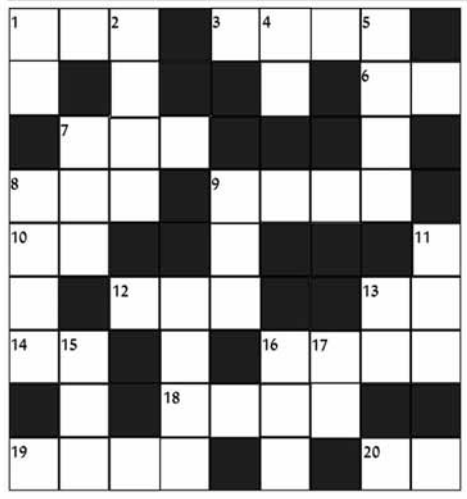

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 70 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

सू-दोकू-71

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.70 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2